नज़र भांपकर रंग बदलते हैं गिरगिट

गिरगिट का रंग बदलना हैरत का विषय रहा है और इसने कई उपमाओं को भी जन्म दिया है। मज़ेदार बात यह है कि गिरगिट का रंग बदलना जितना अद्भुत लगता है, वास्तव में वह उससे कहीं ज़्यादा अद्भुत है।

हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के मेलबोर्न विश्वविद्यालय के डेवी स्टुआर्ट-फॉक्स ने एक गिरगिट *स्मिथ्स ड्वार्फ गिरगिट* (*ब्रेडीपोडियन टीनियाब्रोंकम*) का अध्ययन करके रंग बदलने को लेकर कुछ और रोचक जानकारी प्राप्त की है। उनके प्रयोगों से लगता है कि गिरगिट अपना रंग यह देखकर बदलता है कि उसे किस जंतु से छिपना है।

यह गिरगिट दक्षिण अफ्रीका में पाया जाता है और इसका अस्तित्व खतरे में है ऐसा बताते हैं। यह मिलीसेकंड की अवधि में अपना रंग बदल सकता है। आम तौर पर इन गिरगिटों के दो शिकारी हैं - एक है *फिस्कल श्राइक* नामक पक्षी और दूसरा है एक ज़हरीला सांप *बूमस्लैंग*।

स्टुआर्ट-फॉक्स ने इस प्रजाति के 16 गिरगिट लिए। इन्हें एक पेड़ की टहनी पर बैठा दिया गया। साथ में इनके शिकारी के बढ़िया मॉडल भी वहीं आसपास रख दिए। एक बार *फिस्कल श्राइक* और एक बार *बूमस्लैंग* सांप।

सबसे पहले तो शोधकर्ताओं ने गिरगिट के रंग व चमकीलेपन के अवलोकन रिकॉर्ड कर लिए। फिर जब गिरगिट ने शिकारी के पुतले को देख लिया तो फिर से उसके रंग वगैरह नोट कर लिए गए।

एक वर्णक्रम मापी की मदद से शोधकर्ताओं ने यह रिकॉर्ड किया कि हर बार गिरगिट का रंग कैसा था और उस जगह का रंग कैसा था जहां वह बैठा था। यह देखा गया कि जब गिरगिट ने चिड़िया को देखकर रंग बदला था तो उसका रंग पृष्ठभूमि से कहीं ज़्यादा मेल खाता था बनिस्बत तब जब उसने सांप को देखा था।

इसी के साथ शोधकर्ताओं ने दोनों शिकारियों की दृष्टि क्षमता पर भी गौर किया। उन्होंने जब दोनों शिकारियों के दृष्टि तंत्र के मॉडल के आधार पर देखा तो पाया कि सांप की नज़र से देखें तो गिरगिट बेहतर छिपा दिखता है जबकि वास्तव में उसने अपना रंग पृष्ठभूमि के एकदम समान करने का प्रयास नहीं किया था। इसका मतलब है कि गिरगिट जानता है कि सांप की रंग देखने की क्षमता उतनी पैनी नहीं है, इसलिए सांप के सामने पड़ने पर वह रंग बदलने की उतनी कोशिश भी नहीं करता।

दूसरी बात यह देखने में आई कि सांप को देखकर गिरगिट अपना रंग कहीं ज़्यादा फीका कर लेता है जबकि चिड़िया के लिए वह रंग को थोड़ा गहरा रखता है। शोधकर्ताओं के मुताबिक इसका कारण यह हो सकता है कि सांप उसे अक्सर नीचे की ओर से देखता है जहां वह हल्के रंग के आसमान की पृष्ठभूमि के बीच छिपने की कोशिश करता है जबकि चिड़िया उसे ऊपर से देखती है जहां पृष्ठभूमि गहरे रंग की होती है।

इस अनुसंधान का अर्थ यह निकलता है कि गिरगिट अपने रंग परिवर्तन में इस बात का ध्यान रखता है कि उसे किससे छिपना है। उस प्राणी की दृष्टि क्षमता को ध्यान में रखकर ही वह रंग परिवर्तन करता है। जंतु जगत में ऐसे और भी उदाहरण देखे गए हैं। ***(स्रोत फीचर्स)***